YBS1-3-HI

◌ाप कैसे निश्चित हो सकते हैं कि आप परमे॰ ◌ार के साथ अनंतकाल बिताएंगे? - प्रोग्राम 3

अनाऊंसर: आज द जॉन एन्करबर्ग शो में, सबसे महत्वपुर्ण धार्मिक सवाल जिसका जवाब आपको देना है/ आप कैसे निश्चित हो सकते हैं कि आप अनंतकाल परमेश्वर के साथ बिताएंगे/

डॉक्टर अरविन लुथजर: इस तरह से सोचिए, हमारे मरने के एक मिनट बाद/ एक तो हमने स्वर्ग में मसीह की सुंदरता या महीमा देखी, या हमने ऐसा कुछ देखा जो भयानक है/ जिसकी कल्पना से भी आज हम डर जाते हैं/ मतलब जब आप इसके बारे में सोचते हैं, सबसे महत्वपुर्ण सवाल हो हम कभी पुछ सकते हैं, वो है कि हम अनंतकाल कहाँ बिताएंगे?

अनाऊंसर: इस सवाल का जवाब देने के लिए, आज मेरे मेहमान हैं डॉक्टर अरविन लूथज़र/ सीनियर पास्टर हैं, मूडी मेमोरियल चर्च शिकागो इलनॉय के/ साथ ही ये इन सवालों का भी जवाब देगे/ बाइबल उनके बारे में क्या कहती है जो पहले मसीही विश्वास का अंगिकार करते हैं, और बाद में जीवन में विश्वासी होना छोड़ देते हैं/ यदि विश्वासी कुछ पापों का अंगिकार किए बिना मर जाता है/ तो क्या इससे परमेश्वर ने उसके लिए किए सारे काम बेकार हो जाएंगे? हम कैसे निश्चित जान सकते हैं, कि आज हम उद्धार पाएं हैं, कल और हमेशा के लिए उद्धार पाएं हैं? हम आपको जुड़ने का न्योता देते हैं, इस विशेष प्रोग्राम द जॉन एन्करबर्ग शो में/

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: प्रोग्राम में स्वागत है, हम चर्चा कर रहे हैं कि कैसे, आप निश्चित हो सकते हैं, कि आप परमेश्वर के साथ अनंतकाल बिताएंगे, क्या ये महान टॉपीक नही, जो आप सच में जानना चाहते हैं/ अब इस सवाल के बहुत से आयाम हैं/ और आज इन में से एक के बारे में हम सुनेगे, जब आप लोगों से पुछते हैं, क्या आप स्वर्ग में जाएंगे? तो ज्यादातर लोग कहते हैं हाँ या आशा करता हूँ, जाऊंगा, और यदि आप उन्हे अगला सवाल पूछे कि स्वर्ग में जाने के लिए किसी व्यक्ति को कितना अच्छा होना होगा/ आपको दिलचस्प जवाब मिलेगे, अरविन आप के एक स्टाफ मेमबर ने सर्वे किया था, हमारे मसीही बुक सेलर्स असोसिएशन कन्वेनशन में, उन्होंने दिलचस्प जवाब दिएं/

डॉक्टर अरविन लुथजर: देखिए उन्होंने क्या किया, वो बुथ से बुथ पर गएं, और ये थियॉलॉजीयन हैं, जो किताबें लिखते हैं, जो हमें पढनी चाहिए/ और उन्होंने सवाल पुछा, स्वर्ग में जाने के लिए हमें कितना अच्छा होना चाहिए/ और परिणाम चकित करनेवाले थे/ बहुत से लोगों ने कहा खैर, आशा करता हुँ कि बहुत अच्छा नही, नही तो मैं नही जा पाऊँगा, तो दूसरे लोगों ने कहा खैर/ विश्वासी सिद्ध नही हैं, उन्हें बस माफ किया गया है/ उन 12 में से केवल 1 ने ही बाइबल से जवाब दिया/ बताया कि हमें परमेश्वर के जितना ही सिद्ध होना है/ अवश्य ही/ अब जॉन आज शायद ये प्रोग्राम देख रहे है, वो प्रोटेस्टंट हो, शायद वो कैथलिक्स हो, लेकिन प्रोटेस्टंटईज़म और कैथलिकीज़म कम से कम एक बात पर सहमत होते हैं, वैसे तो बहुत विषय है/ वो सब सहमत होते हैं, कि अवश्य ही स्वर्ग में जाने के लिए हमें परमेश्वर के जितना सिद्ध होना होगा/ कैसे धर्मी परमेश्वर पापी को स्वीकार करेगा, जब तक वो उतने सिद्ध न हो जितना वो है/ ये अर्थ रखता, ये केवल लॉजीकल ही नही, लेकिन बाइबल से भी है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: याने यदि हम इस तरह से सोचे कि क्या मैं इतना सिद्ध हुं? जी/

डॉक्टर अरविन लुथजर: आप कल्पना कर सकते हैं/ कि लोग ये प्रोग्राम देख रहे हैं, वो इसे बंद करने के लिए तैयार हैं, कहेगे ये मज़ाक है कौन इतना सिद्ध है? कौन सिद्ध है, और मैं ये कहना चाहुंगा कि यदि कोई ये देख रहा है, और सोचते हैं कि सिद्ध हैं तो उन्हें पत्नी से जाँचना चाहिए और ये उनकी थियॉलॉजी में मदत कर सकता है, यदि सोचे कि सिद्ध हैं तो बड़ी मुश्किल में हैं/ हम सब बड़ी मुश्किल में हैं/ क्योंकि हम सिद्धता से बहुत दूर हैं/

याने मुझे कहानी बतानी पड़ती है/ इस आदमी की जो इससे लड़ रहे थे, उनका नाम था मार्टिन लूथर/ कुछ लोग शायद बंद करे ये कहेगे कि जानते हैं, मार्टिन लूथर उनके विरोधी थे, लूथर के बारे में लोग जो भी सोचे, उन्हें ये भाग सुनना चाहिए, ये आदमी खुद को रोल करता है, एलफर्ड की मॉनेस्टरी में, इस इच्छा के साथ, सामान्य रुप में अपना प्राण बचाने के लिए/ वो क्या करना चाहते थे, प्रभु का धन्यवाद, कि मध्य युग की थियॉलॉजी कम से कम ये सिखाती थी कि उन्हें स्वर्ग में जाने के लिए परमेश्वर जितना सिद्ध होना होगा/ तो वो यही करना चाहते थे, कि कोशीश करे कि वो परमेश्वर जितने सिद्ध हो जाएं/ वो चर्च के सारे अनुशासन में से होकर गएं/ वो कठोर फर्श पर सोएं, बिना ब्लैन्केट के, कि शरीर पर जय पाएं/ वो भीख मांगने लगे, उन्होंने गरीबी को स्वीकार किया/ उन्होंने जो कर सकते थे वो किया, उन्होंने इतनी देर तक उपवास किया कि लोगों ने सोचा कि ये मर जाएंगे/

अब इस बात के साथ ही, चर्च की विधियाँ उनके लिए कुछ प्राण की ही थी, खासकर अंगिकार/ समस्या ये थी कि वो कईबार 6 घंटे तक अपने पापों का अंगिकार करते थे/ जब तक कि स्टारवेट उनके कनफेसर ने तंग आकर उन

से कहा, लूथर, अगली बार जब आप यहाँ आओ, तो केवल बड़े पापों के लिए आएं/ इन छोटी छोटी बातों के लिए नही/ इन छोटे पापों के लिए नही/ लेकिन जॉन लूथर अच्छे थियोलीजियन थे, उनके साथियों से/ वो कुछ समझ गए थे, जिसे हमारी पीढी भूल गएं हैं/ चाहे पाप बड़ा है या छोटा है इससे कोई फर्क नही पड़ता/ सबसे छोटे से छोटा पाप आपको परमेश्वर से सदा के लिए अलग कर देगा/

तो वो सारे पापों का अंगिकार करना चाहते थे, लेकिन फिर उन्हें समस्या हुई, जिन पापों का अंगिकार करना था उन्हें याद करना था, यदि उन्हें याद न करे, या याद न कर सके/ तो उसका अंगिकार नही कर सकते थे, तो उन्हें माफी नही मिलती/ शायद उन्होंने कुछ किया हो जिसे परमेश्वर पाप मानता है, लेकिन वो इसे पाप के रुप में न देखे/ तो एक और समस्या थी, ये तो मानो फर्श साफ करना है जब उस पर कोई चलता हो/ क्योंकि कल एक और दिन होगा/ यदि हम अपने सारे पापों का अंगिकार करे, तो कल अंगिकार करने के लिए और भी पाप होगे/ और ये बिना अंत से चलते रहता/ उन्हें इसकी परेशानी थी जिसे जर्मन में कहते हैं, अनफैश्टूंगन/ ये तो प्राण में पूरी तरह बेताब होना है, और आशाहिनता है/ क्या मैं आपको बाकी कहानी बताऊँ?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जी/

डॉक्टर अरविन लुथजर: क्योंकि ये यही खत्म नही हुआ, धन्यवाद हो/ उन्होंने यही किया, वो आगे जाकर

विटनबर्ग के छोटे शहर में एक शिक्षक हो गएं, स्टॉपिस्ट वहाँ जाते हैं क्योंकि लूथर एथिक्स और फिलॉसॉफी सिखा रहे थे, और उन्होंने कहा कि आप थियॉलॉजी क्यों नही सिखाते, इससे प्राण को मदत मिलेगी, क्योंकि वो बेचैनी से जा रहे थे/ वो रोम में गएं और वहाँ भी शान्ति नही मिली/ और लूथर ने कहा यदि मुझे बाइबल सिखानी है, तो वो मेरी मृत्यु होगी/ ये नही जाना, कि एक तरह ये उनकी मृत्यु ही थी/ तो उन्होंने भजन पर सिखाना शुरु किया/ वो भजन 22 पर आएं, मेरे परमेश्वर, मेरे परमेश्वर तुने मुझे क्यों छोड़ दिया/ तब लुथर ने कहा, यीशुने वही अनुभव किया जो मैं कर रहा हूँ/ परमेश्वर से दूर होने की भावना/ और तब जाना कि उसने ये मेरे लिए किया/

लेकिन सत्य अब तक उनकी आत्मा पर नही चमका, जब तक रोमियों की किताब नही सिखाई, वो विख्यात वचन अध्याय 1 वचन 16 में, पौलुस कहता है कि मैं सुसमाचार से नही लजाता, वचन 17 में पौलुस कहता है/ क्योंकि सुसमाचार में परमेश्वर की धार्मिकता विश्वास से और विश्वास के लिए प्रगट होती है, जैसे लिखा है, विश्वास से धर्मी जन जीवित रहेगा/ ध्यान दे, परमेश्वर से धार्मिकता प्रगट की गई/ लूथर ने इसे पढा और डर गएं/ उनकी समस्या परमेश्वर की धार्मिकता थी/ यदि परमेश्वर इतना धार्मि नही होता, तो ये बहुत आसान होता, कुछ तरह से/ लेकिन वो इस वचन पर सोचने लगे/ और फिर एक संपर्क देखा और कुछ जाना, धार्मिकता परमेश्वर का एक गुण है/ लेकिन

साथ ही ये परमेश्वर का वरदान है/ विश्वास करनेवालों के लिए/ ये धार्मिकता परमेश्वर हम पर रखता है, ये उसकी खुद की धार्मिकता है/ जो हमारे लेखे में रखी गई है/ मसीह में विश्वास से/

कोई आश्चर्य नही कि लूथर ने कहा/ जब उन्होंने इसे देखा तो नया जन्म पाया/ जैसे मानो वो स्वर्ग के फाटक में प्रवेश कर गएं, क्योंकि अब अंत में वो परमेश्वर की मांग पूरी कर रहे थे/ क्योंकि यीशु कि अपने लिए परमेश्वर की सारी मांग पूरी करनी थी/ और जो सिद्ध उसने देखी, विधियों के द्वारा/ अच्छे कामों से, ये सब अवश्य ही रास्ते के किनारे गिर जाते हैं, कोई भी परमेश्वर की धार्मिकता नही पा सकता/ लेकिन ये हमें भेंट के रुप में दी गई है/ कितना अदभुत क्रान्ति का विचार है, बाइबल का विचार है, लेकिन अदभुत रुप में क्रान्ति का है/ क्योंकि लूथर ने देखा कि मनुष्य की सारी धार्मिकता केवल यही कर सकती है, यदि सबको जोड़ दे/ वो कभी परमेश्वर की धार्मिकता को नही पा सकता/ और इसलिए, इसलिए जैसे हम करोड़ों केले मिलाकर संत्रा नही बना सकते, बिलकुल उसी तरह से हमारी सारी धार्मिकता कभी परमेश्वर की धार्मिकता नही पा सकते/ यदि हम परमेश्वर की धार्मिकता पाएं तो वो भेंट होनी चाहिए/

अब जॉन ये सबसे उत्तम भाग है/ और मैं आशा करता हूँ कि जो भी इसे सुन और देख रहा है/ इसे पकड़ ले क्योंकि ये अब सुसमाचार का दिल है/ बाइबल दूसरा कुरिन्थियों में कहती है/ अध्याय 5 में, ये कहता है कि वो जो परमेश्वर है, उसने मसीह को हमारे लिए पाप बनाया, वो जो पाप से अज्ञात था, कि हम मसीह में परमेश्वर की धार्मिकता हो जाएं/ याने देखिए क्या हुआ, हमारे पाप मसीह के लेखे में लिखे गएं/ व्यक्तिगत रुप में वो पापरहित था, लेकिन नैतिक रुप में, वो दोषी हुआ, व्यभिचार का, अधर्म और बच्चों से बुरा व्यवहार, और शराबी होने का, और खुद की धार्मिकता का, और वो सारे पाप जिससे प्रभु नफरत करता है/ हमारे पाप उसके लेखे में गएं उसकी धार्मिकता और शुद्ध हमें दी गई, याने उसे वो मिला जिसके लायक नही था, जो कि खासकर हमारे पाप है/ हमें वो मिला जिसके हम लायक नही थे, खासकर उसकी धार्मिकता/

यही सुसमाचार है, केवल विश्वास के द्वारा धर्मी बनाया जाना/ प्रभु घोषित करता है, ये स्वर्ग की घोषणा है, परमेश्वर हमें उतना ही धर्मी घोषित करता है, जितना मसीह खुद है/ क्योंकि परमेश्वर की धार्मिकता, पापियों को दी गई, और नैतिक रुप में परमेश्वर की दृष्टि में हम उतने ही सिद्ध हैं जितना स्वयं प्रभु है/ और उसके बिना जॉन/ कोई भी, उद्धार नही पा सकता/ इसके बिना कि परमेश्वर की धार्मिकता उसके लेखे में गिनी जाएं, यही, सुसमाचार का शुभ संदेश है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: बताईए कि किसी को वो धार्मिकता कैसे मिल सकती है जो लूथर ने पाई थी, जब जाना कि वचन क्या कहता है/

डॉक्टर अरविन लुथजर: सबसे पहले ये जान लेना है कि हमारे कामों से हमें उद्धार नही मिलता/ क्योंकि मैंने पहले ही गौर किया है, परमेश्वर केवल अपनी ही धार्मिकता को स्वीकार करता है/ ऐसी धार्मिकता जिसमें हमने कुछ नही किया/ हमारे सारे भले काम इसे नही पा सकते/ यहाँ तक कि हमारी धार्मिकता भी मैले चिथड़ों जैसी है, ये कहता है, यशायाह की किताब में, और नए नियम में, सबने पाप किया और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं, हाँ कुछ लोगों ने दूसरे से बुरे पाप किएं हैं, इसमें कोई संदेह नही, लेकिन सब ने पाप किया/ याने देखिए क्या होता है, यीशु अब हमारे लिए होता है, हर चिज़ जिसकी हमने खोज की है/ दिन में 24 घंटे, परमेश्वर मुझ से सिद्ध और पवित्रता की मांग करता है, यदि मैं उसकी संतान होना चाहता हूँ और उसके साथ संगति चाहता हूँ, दिन में 24 घंटे, यीशु देता है, जो परमेश्वर मांग करता है/ क्या ये अदभुत नही?

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये अदभुतहैं,

डॉक्टर अरविन लुथजर: मतलब, हम उसके बारे में कह रहे हैं जिसके लिए मरते हैं/ मैं बहुतसी चिज़ों के लिए मर सकता हूँ, लेकिन मैं अभी जो कह रहा उसके लिए मर सकता हूँ, क्योंकि इसने मेरे जीवन पर प्रभाव डाला है, इसने मेरा जीवन बदल दिया, और मुझे दिया है, और ये ऐसा नही जिसका अनुभव करते हैं, बदलाव के समय/ ये तो मुझे प्रतिदिन मुझ पर प्रभाव डालता है, कि सिंहासन के सामने मेरी निश्चितता खड़ी रहती है/ जैसे गीत लिखनेवाला कहता है/ मेरा नाम उसके हाथों पर लिखा है, कि मैं सोचू कि मैं नैतिक रुप में स्वर्ग में हूँ, जैसे ये कहता है कि हम मसीह के साथ उठाए गएं, हम मसीह के साथ बैठाएं गएं, और यीशु अब पिता के सामने मुझे दर्शाता है/ जानते हैं इसका क्या अर्थ है/ इसका अर्थ मृत्यु है और कोई परेशानी नही है/ क्योंकि, क्योंकि देखिए हम नैतिक रुप में पहले ही स्वर्ग में हैं/ लूथर ने इसे समझने के बाद सबसे बड़ा सिद्धान्त दिया वो है परगेटरी/ क्योंकि परगेटरी इस बात पर आधारीत थी कि कोई भी इतना धर्मी होकर नही मरता कि स्वर्ग में जाएं/

लूथर इस बात को समझ गएं थे/ कि यदि परमेश्वर की धार्मिकता इस जीवन में मुझे दी गई है/ तो मैं इस जीवन से सीधा स्वर्ग में जा सकता हूँ/ और परमेश्वर की उपस्थिती में दिया जा सकता हूँ, उतना ही सिद्ध जितना स्वयं यीशु मसीह है/ क्योंकि मैं पूरी तरह से यीशु के कामों से उद्धार पाया है/ और मेरी खुद की धार्मिकता नही/ यही यीशु मसीह के सुसमाचार का शुभ संदेश है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: और ये महान खबर है और इसके अदभुत परिणाम रहे हैं, हम अब ब्रेक लेगे वापस आने पर चर्चा करेगे, इन उपयोगी बातों पर/ ये इतनी अदभुत है, इसका अर्थ है कि मैं निश्चित जान सकता हूँ, कि मैंने

उद्धार पाया है, और मैं जानता हूँ कि अनंतकाल के लिए मैं सुरक्षित और उद्धार पाया हुँ/ मैं चाहता हूँ कि वापस पाने पर बताएं कि क्यों?

****

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: हम लौट आएं है हम चर्चा कर रहे हैं डॉक्टर अर्विन लूजर थे, पास्टर मूडी मेमोरियल चर्च शिकागो से/ हम चर्चा कर रहे हैं, केवल विश्वास से धर्मी ठहराया जाना, हम देख रहे हैं कि लूथर ने क्या जाना, वचनों मे, जो आज आपके और मेरे लिए जरुरी है/ मेरे पास कुछ फॉलोअप सवाल हैं जो आप कह रहे हैं, नंबर एक कुछ लोग कहेगे, देखिए, मसीह की धार्मिकता, उसका ट्रैक रेकॉर्ड वो मेरे लिए उपयोगी है/ जिस पल मैं उस में अपना विश्वास रखता हूँ/ क्या इसका अर्थ है कि मैं मसीह को स्वीकार कर शैतान के जैसे जी सकता हूँ/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जानते हैं प्यारे लोगों को पसंद करता हूँ, जो ये सवाल पुछते हैं, मैं बताऊं कि क्यों? सबसे पहले कि जो भी व्यक्ति ये सवाल पुछता है, वो हमेशा अकसर ऐसा होता है, जिसने कभी सुसमाचार को स्वीकार नही किया है/ जानते हैं, इसका कारण है कि वो इसका उपयोग नही जानते हैं/ जानते हैं प्रेरित पौलुस रोमियों में, सुसमाचार बताता है, वो जानता था कि अविश्वासी इसे पढेगे जो वो लिख रहा है, और वो सारांश में कहता है, इसलिए प्रेरित पौलुस कहता है, तो क्या हम पाप में बने रहे कि अनुग्रह होता रहे, याद रखे प्रेरित पौलुस कहता है, क्योंकि स्वाभाविक मनुष्य सुसमाचार सुनता है, वो सोचेगा कि कितनी अच्छी बात है, मैं यीशु पर विश्वास करुंगा और शैतान जैसे जीऊँगा/ ये तो बहुत अच्छा होगा/ यही बात नही है, ये तो वो समझ है, कि क्या होता है, हमें केवल स्वर्ग में परमेश्वर द्वारा धर्मी ही घोषित नही किया गया है/ जो कि सही ठहराया जाना है/ उसी समय, मैं विश्वास करता हूँ कि हमारा अगला प्रोग्राम पूरी तरह से इसी मुद्दे पर है/ बिलकुल इसी समय, हमने नया जन्म पाया है, आत्मा में, इसका अर्थ है कि परमेश्वर हमें नई इच्छा देता है, और नई तरह की प्रेरणा देता है/ उसकी सेवा करने की इच्छा, और हम अलग लोग होते हैं, यदि कोई मनुष्य मसीह में है/ तो वो नई सृष्टि है/ पूरानी बातें बित गई, सब नया हो गया है याने, ये इस तरह है, और यदि हम परमेश्वर की संतान के रुप में, सोचे कि हम संसार के जैसे जी सकते हैं, और हमारे पूराने पाप में चले जाएं, प्रभु हम में काम करेगा, हमे अनुशासीत करेगा/ प्रभु हमारे दिल में काम करेगा/ वो हमें जाने नही देगा/ क्योंकि उसकी इच्छा है, कि भुतकाल के पाप दूर हो जाएं/ और हम जीवन की नविनता में चले/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: सिक्का पलटाते हैं, वो कहते मुझे प्रभु से वादा करना है/ मैं अच्छी तरह से उसकी सेवा करुंगा, इमानदारी से, वो सुसमाचार को नही समझते जो लोग इसे न्योते के रुप में लेते हैं, वो कहते सामने आकर

वादा करो कि सदा के लिए मसीह की सेवा करेगे/ वो कहते देखो यदि मैं सच कहुँ, मैं ये चाहता हूँ, लेकिन कल के बारे में नही कह सकता/ वो व्यक्ति इस उद्धार में कैसे सुरक्षित हो सकता है?

डॉक्टर अरविन लुथजर: ये बहुत अच्छा सवाल है, मुझे याद है एक प्रचारक ने एक बार कहा था, तुम आगे आकर वादा क्यों नही करते कि मसीह के पीछे चलेगे? वादा करे कि मसीह के पिछे चलेगे/ आप और मैं जॉन, हम कई साल से मसीह को जानते हैं और उसके पीछे चलने में परेशानी होती है, क्या आप कल्पना करेगे, कि बाहर कोई है जो कहेगा कि मैं यीशु के पीछे चलूंगा/ ये सुसमाचार नही है/ जब हम यीशु मसीह के पास आते हैं, हम ये वादा करते हुए नही आते कि उसके पिछे चलेगे, हम कुछ वादा करने के लिए नही आते हैं, हम कुछ पाने के लिए आते हैं/ जैसे ये गीत कहता है/ मै अपने हाथों में कुछ नही लाता, केवल तेरे क्रूस को थाम लेता/

याने सच्चे उद्धार का अर्थ है कि मैं सारी कोशीश छोड़ देता हूँ, कि प्रभु से वादा करुं कि ये करुंगा, ए बी सी या डी/ इसका अर्थ है कि मैं प्रभु के पास आता हूँ, मेरी सारी जरुरतों के साथ/ मेरे सारे पापों के साथ/ न बदलनेवाला, लेकिन मैं आता हूँ कि किसी पर विश्वास करुं, जो मुझे बचा सकता है/ और मुझे वो धार्मिकता दे जो मुझे पवित्र परमेश्वर के सामने खड़े रहने के लिए जरुरी है/ और विश्वास की इस सरलता के साथ/ विश्वास उस पर लाने से/ मसीह और उसके साथ ये विधियाँ नही, मसीह और मेरे भले काम, मसीह और ये, सबसे सुंदर है कि मसीह और सुसमाचार के सत्य को स्वीकार करे/ और क्रूस पर उसने जो हमारे लिए किया/ हमारे दिल में महान विश्वास आता है/ और शाश्वति आती है, ये जानने से कि यीशु मसीह ने ये हमारे लिए दिया है/

मैं अकसर ये कहता हूँ, और इसे फिर से दूसरे सेगमेन्ट में कहूंगा, हम इस शाश्वति के बारे में चर्चा करुंगा/ लेकिन चलिए इसे यहाँ कहता हूँ/ यदि हम विश्वास करते हैं कि यीशु क्रूस पर मरा/ उसने वो सब किया जो जरुरी था/ कि हम परमेश्वर की उपस्थिती में खड़े हो जाएं, और हम इसे गले लगाते हैं, खुद के लिए/ तो हम जानेगे कि हमने उद्धार पाया है, क्यों? क्योंकि ये हमारे कामों पर आधारित नही, सौ प्रतिशत यीशु के कामों पर आधारित है/ देखिए जॉन यदि मैं ये सोचूं कि उद्धार परमेश्वर का 95 प्रतिशत काम है, और मुझे 5 प्रतिशत करना है, तो मैं शाश्वति कैसे रख सकता हूँ/ मैं इस इकवेशन में अपने 5 प्रतिशत पर भरोसा नही कर सकता/ जब मैं देखता हूँ कि यीशु ने इसके लिए दाम चुकाया/ उसने कहा ये पूरा हुआ/ जब मैं देखता हूँ कि उसने ये अदभुत काम किया, और विश्वास करनेवालों के लिए परिपुर्णता है/ और मैं उस पर भरोसा रखता हूँ, मैं परमेश्वर की उपस्थिती में ऐसे स्वीकार किया जाता हूँ जैसे कि मैं वो ही हूँ/ यही सुसमाचार की सुंदरता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: याने अनुग्रह का स्वाद लेते हैं/ देखिए लोग अब सुन रहे हैं, उद्धार के लिए कुछ लोग भले काम जोड़ना चाहते हैं, कि उद्धार पाएं, लेकिन फिर वो व्यक्ति कहता है कि ये भेंट है और मै लेता हूँ, परन्तु कल भी

है/ यदि आज मसीह में विश्वास करके कल पाप करूँ, क्या मुझे उस समय इसे गिनना होगा, पहले या बाद में, हमें काम कब आते हैं, बताईए कि क्यों अनंतकाल के लिए सुरक्षित हैं/ जी/

डॉक्टर अरविन लुथजर: सबसे पहले चलिए कहते हैं कि आज आपने मसीह को स्वीकार किया, और कल पाप किया, सच में आज शाम को ही पाप करे, यदि आज उसे स्वीकार करते हैं, क्योंकि हम सब पाप करते हैं, मतलब हम पाप करते हैं, ठीक है, विचार में, शब्दों में, अकसर कामों में, सरल सच्चाई है कि आप अपने पापों का अंगिकार करते हैं, और ये अंगिकार, जरुरी है कि संगति बनाए रखे/ चलिए ये बताऊं, ये देखने के लिए अच्छ पॉईन्ट है जॉन, लूथर उस मॉनेस्ट्री में उद्धार नही पाएं थे/ जहाँ उन्होंने एक समय 6 घंटे तक पापों का अंगिकार किया/ कुछ लोग नियमित रुप में पापों का अंगिकार करते हैं/ लेकिन चर्च के कुछ लोग भी उद्धार नही पाएं हैं, हम अपने पापों के अंगिकार से उद्धार नही पाते, हम उद्धार पाते हैं, यीशु मसीह को अपने पाप उठानेवाले के रुप में स्वीकार करने से/ जिस पर भरोसा रखते हैं/ कि परमेश्वर से मेलमिलाप करवाएं, हम इसी तरह उद्धार पाते हैं, लेकिन उद्धार पाने के बाद, हम पापों का अंगिकार करते हैं, आज सुबह मैंने अपने पापों को आंगिकार किया है/ याने ये मसीही जीवन का भाग है/ अंगिकार का अर्थ है कि हम परमेश्वर के साथ सहमत होते हैं, हम प्रभु के साथ सहमत होते हैं कि हमने पाप किया, हम सहमत होते हैं कि उसके पास अधिकार है कि हमारे जीवन से पाप दूर करे/ और इसलिए जैसे मैं बच्चे के रुप में माता-पिता के सामने अंगिकार करता हूँ, कि हम मेलमिलाप कर सके, मेलमिलाप करते हैं/ इसी तरह से विश्वासी इसे करते हैं, लेकिन ये फिर से उद्धार पाने के लिए नही है/ चाहे मैं आज्ञाभंग करुं तो भी अपने पिता का बेटा ही रहुंगा, लेकिन संगति के लिए मुझे अपने पापों का अंगिकार करना होगा/

अब शाश्वति तब आती है, जब हम समझते हैं, कि यीशु मसीह ने एक ही काम के द्वारा, इसे इब्रानियों की किताब में देख सकते हैं, और देख सकते हैं अध्याय 10 में, ये कहता है कि एक काम से, यीशु ने उन्हें सदा के लिए सिद्ध किया जो शुद्ध किए गएं हैं/ जो उस पर भरोसा करते हैं/ और लूथर को यही चाहिए था कि एक काम उसके सारे पाप दूर कर दे, और प्रभु से मेलमिलाप करे, और फिर उन्हें यही करना था, और जानता हूँ उन्होंने यही किया, कि अपने पापों का अंगिकार करे कि संगति बनाएं रखे, उन्हें फिर से उद्धार पाने की जरुरत नही थी/ क्योंकि इस तरह की थियॉलॉजी के साथ, किसी के पास उद्धार की कोई शाश्वति नही होगी,

और इसलिए जैसे मैंने पहले बताया था कि प्रभु अनुशासित करता है, हमारे आज्ञाभंग करने को/ लेकिन हमारे अंदर गहराई में ये शाश्वति होती है, हम इसके बारे में बहुत विवरण से चर्चा करेगे, क्योंकि हमारे मन में दूसरे विचार आते हैं जिन में हम इस समय विवरण में जाना नही चाहते हैं/ लेकिन हमारे अंदर शाश्वति रहती है जो हमें बताती है, हम प्रभु की संतान हैं, और हम सदा के लिए प्रभु की संतान हैं/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: चलिए एक कदम आगे बढते हैं, याने यदि कोई कहता है अरविन, आप मुझे नही जानते, मैं बड़ा पापी हूँ, आप पाप का नाम लें, मैंने वो किए हैं/ आप जो कह रहे हैं, वो सुनने में अच्छे लगते हैं/ क्या ये इतना सच है/ बताईए? जी हाँ/

डॉक्टर अरविन लुथजर: क्या ये जानना अदभुत नही कि बाइबल ये भी कहती है, पूराने नियम में, आओ हम एक साथ विवाद करे, प्रभु ये कहता है, चाहे तुम्हारे पाप लाल रंग के हो, तोभी वो हीम जैसे श्वेत हो जाएंगे, चाहे वे कितने भी लाल हो वो श्वेत होगे/ और यदि हम ये कहते हैं कि यीशु की धार्मिकता, हीम के जैसे है, इस उदाहरण में देखते हैं, हीम तो उस बदसुरत चिज़ को वैसे ही ढांकता है, जैसे वो अच्छे पहाड़ को ढांकता है/ और चाहे आज कोई भी सुन रहा है, चाहे वो कोई कैदी हो जिन्होंने अपराध किया है, या बलातकारी, चोर या हत्यारा/ चाहे आज कोई भी देख रहा है, वो धार्मिकता का वही वरदान पाते हैं, जब मसीह पर भरोसा रखते, जैसे आपने किया जॉन, चाहे आप एक अच्छे मसीही घर में पैदा हुए, जैसे मैं हुआ हूँ/ और धन्यवाद हो कि हम बुरे अपराध और पापों से बच गएं, लेकिन सरल सच्चाई है, कि हम सबको परमेश्वर की धार्मिकता चाहिए, और ये सबसे बुरे पापी को दी गई है, जानते हैं ये गीत सच में सही है/ सबसे बुरा पापी, जो सच में विश्वास करता है, प्रभु के उस पल में वो क्षमा पाता है/ केवल यीशु के कारण, ये सुसमाचार की सुंदरता है/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: जो व्यक्ति मसीह पर भरोसा करना चाहता है, आज ही, अगले हफ्ते के प्रोग्राम की राह नही देखनी है/ क्या आप प्रार्थना करेगे जिसे वो दोहरा सके, और वो मसीह पर भरोसा रख सके/

डॉक्टर अरविन लुथजर: जी, हमारे पिता आज हम तुझे धन्यवाद देना चाहते हैं, सुसमाचार की सुंदरता के लिए, तेरा धन्यवाद करते कि ये सबसे उत्तम लोगों को आशा देता है, और आशा देता है सबसे बुरे लोगों को, तेरा धन्यवाद करते हैं कि दोनों समुह के लिए तेरे पास एक ही योजना है, क्योंकि हमने पाप किया और परमेश्वर की महिमा से रहित हैं/ प्रोग्राम देखनेवाले लोगों के लिए प्रार्थना करना चाहता हूँ, जो पहली बार ये समझे हैं कि वो उद्धार पा सकते हैं, यीशु का धन्यवाद,

अब मेरे प्यारे दोस्तों, आप इस तरह प्रार्थना कर सकते हैं, प्रभु, मैं जानता हूँ कि मैं एक पापी हूँ, जानता हूँ कि मुझे मसीह को स्वीकार करना है/ लेकिन इस पल मैं यीशु पर भरोसा रखता हूँ, मेरे पाप उठानेवाला के रुप में, मैं उसकी धार्मिकता को अपने लिए लेता हूँ, धन्यवाद करता हूँ इस बहुमुल्य वरदान के लिए/ यीशु के नाम में, आमीन/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: अगले हफ्ते हम इस पर और चर्चा करेगे, अरविन हम चमत्कारों के बारे में चर्चा करेगे, जो हम सबको चाहिए/ सारांश में बताएं क्या चर्चा करेगे/

डॉक्टर अरविन लुथजर: ये सच में नया जन्म पाने के बारे में है/ ये कैसे विश्वास से धर्मी ठहराने से कैसे अलग है/ और आज हमारे समाज में, बहुत से लोग कहते हैं, खैर उन्होंने नया जन्म पाया है, बाइबल सच में नया जन्म पाने के बारे में क्या सिखाती है/ इसे देखेगे/

डॉ. जॉन एन्करबर्ग: ये अदभुत है दोस्तों, आशा करता हूँ, कि आप जुड़ जाएंगे/

****

हमारे टीवी प्रोग्राम देखने के लिए मुफ्त में डाऊनलोड कीजिए जॉन एन्करबर्ग ाो एप

"घ्द्धठ्ठन्र् द्यद्द ठ्ठड़ड़्ढद्रद्य ख्ड्ढद्मद्वद्म क्ण्द्धत्द्मद्य" ऋ

ख्ऋद्मण्द्ध्.द्दद्धढ़

@JAshow.org

क्द्दद्रन्द्धत्ढ़ण्द्य 2015 ऋच्ङक्ष्